UDAIPUR CHAMBER OF COMMERCE & INDUSTRY

(Apex body of Trade, Industry, Mining, Education & Tourism of Southern Rajasthan)

UCCI e-News Letter

UCCI/Newsletter/2017-18/Dec/5

23th December 2017

जेड सर्टीफिकेशन पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन – दिनांक 23 दिसम्बर 2017

''इण्डस्ट्री के लिये मुनाफा कमाने का एकमात्र सूत्र कम लागत में क्वालिटी उत्पाद तैयार कर के अधिक तादाद में बिक्री करना है। अधिक बिक्री के लिये उत्पाद का निर्यात करना होगा। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में निर्यात के लिये उत्पाद की क्वालिटी, लागत एवं समय पर डिलीवरी आवश्यक है। इसके साथ ही इण्डस्ट्री को पर्यावरण सम्बन्धी मानकों पर भी खरा उतरना होगा।''

उपरोक्त जानकारी श्री श्रवण मनोचा ने यूसीसीआई में दी।

उदयपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री द्वारा में जेड सर्टिफिकेशन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में नई दिल्ली के विषय विशेषज्ञ श्री श्रवण मनोचा ने प्रतिभागियों को सरकार की जेड प्रमाणीकरण योजना के विषय में प्रशिक्षण प्रदान किया।

कार्यक्रम के आरम्भ में यूसीसीआई के उपाध्यक्ष श्री रमेश सिंघवी ने विषय विशेषज्ञ एवं कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि मैन्यूफैक्चरिंग इण्डस्ट्रीज के लिये यह आवश्यक हो गया है कि अपने उत्पाद की गुणवत्ता में लगातार सुधार करते हुए लागत में कमी लाने का प्रयास करें। केन्द्र सरकार द्वारा जारी जेड प्रमाणीकरण योजना इसके लिये निर्माण उद्योगो को आर्थिक सहायता एवं मार्गदर्शन प्रदान करती है।

कार्यशाला का संचालन करते हुए मानद कोषाध्यक्ष श्री जतिन नागौरी ने विषय विशेषज्ञ श्री श्रवण मनोचा का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। श्री नागौरी ने क्वालिटी को सेवा क्षेत्र के लिये भी जरूरी बताया।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ श्री श्रवण मनोचा ने विभिन्न उद्योगो से आये प्रतिभागियों को व्यावसायिक दूरदर्शिता अपनाते हुए वर्तमान एवं भविष्य की जरूरत के अनुसार अपनी इण्डस्ट्री की प्लानिंग करने का सुझाव दिया। जेड प्रमाणीकरण योजना के सन्दर्भ में श्री मनोचा ने बताया कि एमएसएमई मंत्रालय ने देश की मैन्युफैक्चरिंग इण्डस्ट्री का विस्तृत अध्ययन एवं गहन विचारमंथन के उपरान्त उद्योगों के लिये यह योजना लागू की है।

उत्पाद की निर्माण प्रक्रिया के दौरान पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचे तथा उत्पाद में किसी प्रकार का डिफेक्ट नहीं हो, यही जेड सर्टीफिकेशन का उद्देश्य है। इससे भारत में निर्मित उत्पादों की दूसरे देशों में क्वालिटी प्रोडक्ट होने की ब्रांड छवि बनेगी तथा मेक इन इण्डिया अभियान सफल होगा। योजना के तहत जेड सर्टीफिकेशन लेने वाले उद्योगों को आर्थिक अनुदान देने हेतु 492 करोड़ रूपये की बजट राशि का प्रावधान रखा गया है तथा देश के 22 हजार से अधिक उद्योगों को जेड प्रमाणीकरण की परिधि में लाने का लक्ष्य रखा गया है।

कार्यशाला में सिक्योर मीटर्स, वण्डर सीमेन्ट, सिसोदिया मिनरल्स, पायरोटेक, टेम्पसन्स, स्वर्णकार आर्ट्स एण्ड क्राफ्ट्स, आर.के. फॉस्फेट, वर्तिका इंजीनियरिंग आदि विभिन्न उद्योगो से आये प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यशाला के अन्त में मानद कोषाध्यक्ष श्री जतिन नागौरी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

UDAIPUR CHAMBER OF COMMERCE & INDUSTRY
Chamber Bhawan, Chamber Marg, M.I.A., Udaipur-313003 (Raj.)
Phone : 0294-2491060, 2492215
Website : www.ucciudaipur.com, Email : uccisec@hotmail.com, uccisec@gmail.com

यूसीसीआई में जेड सर्टिफिकेशन पर प्रशिक्षण कार्यशाला

मैन्यूफेक्चरिंग इंडस्ट्रीज के लिए अमृत है जेड सर्टिफिकेशन : मनोचा

उदयपुर। इंडस्ट्री के लिए मुनाफा कमाने का एकमात्र सूत्र कम लागत में क्वालिटी उत्पाद तैयार कर के अधिक तादाद में बिक्री करना है। अधिक बिक्री के लिए उत्पाद का निर्यात करना होगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में निर्यात के लिए उत्पाद की क्वालिटी, लागत एवं समय पर डिलीवरी आवश्यक है। इसके साथ ही इंडस्ट्री को पर्यावरण संबंधी मानकों पर भी खरा उतरना होगा। यह जानकारी श्रवण मनोचा ने यूसीसीआई में दी। उदयपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा में जेड सर्टिफिकेशन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला दी। इसमें नई दिल्ली के विषय विशेषज्ञ श्रवण मनोचा ने प्रतिभागियों को सरकार की जेड प्रमाणीकरण योजना के विषय में प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम के आरम्भ में यूसीसीआई के उपाध्यक्ष रमेश सिंघवी ने कहा कि मैन्युफेक्चरिंग इंडस्ट्रीज के लिए यह आवश्यक हो गया है कि

अपने उत्पाद की गुणवत्ता में लगातार सुधार करते हुए लागत में कमी लाने का प्रयास करें। केंद्र सरकार द्वारा जारी जेड प्रमाणीकरण योजना इसके लिये निर्माण उद्योगों को आर्थिक सहायता एवं मार्गदर्शन प्रदान करती है। कार्यशाला का संचालन करते हुए मानद कोषाध्यक्ष जतिन नागोरी ने विषय विशेषज्ञ श्रवण मनोचा का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। श्री नागोरी ने क्वालिटी को सेवा क्षेत्र के लिए भी जरूरी बताया। जेड प्रमाणीकरण योजना के संदर्भ में श्री मनोचा ने बताया कि एमएसएमई मंत्रालय ने देश की मैन्यूफेक्चरिंग इंडस्ट्री का विस्तृत अध्ययन एवं गहन विचारमंथन के उपरान्त उद्योगों के लिए यह योजना लागू की है। उत्पाद की निर्माण प्रक्रिया के दौरान पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचे तथा उत्पाद में किसी प्रकार का डिफेक्ट नहीं हो, यही जेड सर्टिफिकेशन का उद्देश्य है। योजना के तहत जेड सर्टिफिकेशन लेने वाले उद्योगों को आर्थिक अनुदान देने हेतु 492 करोड़ रुपए की बजट राशि का प्रावधान रखा गया है तथा देश के 22 हजार से अधिक उद्योगों को जेड प्रमाणीकरण की परिधि में लाने का लक्ष्य रखा गया है।

कार्यशाला में सिक्योर मीटर्स, वंडर सीमेंट, सिसोदिया मिनरल्स, पायरोटेक, टेम्पसन्स, स्वर्णकार आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स, आर.के. फॉस्फेट, वर्तिका इंजीनियरिंग आदि विभिन्न उद्योगों से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया।

विदेशों में ब्रांड की छवि बनेगी : मनोचा

उदयपुर | यूसीसीआई सभागार में शनिवार को हुई कार्यशाला में दिल्ली से आए विशेषज्ञ श्रवण मनोचा ने कहा कि एमएसएमई मंत्रालय ने देश की मैन्युफेक्चरिंग इंडस्ट्री का विस्तृत अध्ययन करने के बाद ही उद्योगों के लिए जेड प्रमाणीकरण योजना लागू की है। उत्पाद की निर्माण प्रक्रिया में पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचे और उत्पाद में किसी प्रकार का डिफेक्ट नहीं हो, यही जेड सर्टीफिकेशन योजना का उद्देश्य है। मनोचा ने बताया इससे भारतीय उत्पादों की विदेशों में ब्रांड की छवि बनेगी और मेक इन इंडिया अभियान सफल होगा। जेड सर्टीफिकेशन लेने वाले उद्योगों को आर्थिक अनुदान देने के लिए 492 करोड़ रुपए की बजट राशि का प्रावधान रखा गया

है। देश के 22 हजार से अधिक उद्योगों को जेड प्रमाणीकरण की परिधि में लाने का सरकार का लक्ष्य है। कार्यशाला में विभिन्न प्रतिष्ठानों के व्यवसायियों ने हिस्सा लिया। यूसीसीआई के उपाध्यक्ष रमेश सिंघवी ने कहा कि मैन्युफेक्चरिंग इंडस्ट्रीज के लिए जरूरी है कि अपने उत्पाद की गुणवत्ता में लगातार सुधार करते हुए लागत में कमी लाने का प्रयास करें।

जेड सर्टिफिकेशन पर प्रशिक्षण कार्यशाला

उदयपुर. उदयपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री की ओर से जेड सर्टिफिकेशन पर प्रशिक्षण कार्यशाला हुई। नई दिल्ली के विषय विशेषज्ञ श्रवण मनोचा ने

प्रतिभागियों को जेड प्रमाणीकरण योजना पर प्रशिक्षण दिया। यूसीसीआई के उपाध्यक्ष रमेश सिंघवी ने स्वागत किया। मानद कोषाध्यक्ष जतिन नागौरी ने क्वालिटी को सेवा क्षेत्र के लिये भी जरूरी बताया।